

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उरेडा,  
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-01

देहरादून : दिनांक : 09 मार्च, 2017

**विषय :-** उत्तराखण्ड राज्य में ऊर्जा संरक्षण निधि में वित्तीय वर्ष 2016-17 में राज्यांश रू० 2.00 करोड़ अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3052 दिनांक 08.02.2017 के आलोक में राज्यांश रू० 2.00 करोड़ (रू० दो करोड़) की धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि निदेशक, उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) के पक्ष में महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून द्वारा अनुमन्य पी०एल०ए० खाता सं०-8443 सिविल डिपोजिट जमा-800-अन्य जमा-8448-स्थानीय निधि में जमा-101-जिला निधियां-डिपोजिट एण्ड एडवान्सेस, डिपोजिट इन्ट्रेस्ट बियरिंग-8338-स्थानीय निधि में रू० 2.00 करोड़ (रू० दो करोड़ मात्र) निम्न शर्तों के अधीन अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं :-

- (I) उपरोक्त पी०एल०ए० खाते में अवमुक्त धनराशि का उपयोग ऊर्जा संरक्षण निधि-2010 के अधीन शर्तों के अनुरूप किया जायेगा।
- (II) उपरोक्त अवमुक्त धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं प्रयोजनों के लिये किया जायेगा जिनके लिये ऊर्जा संरक्षण निधि के गठन के लिये किया गया है।
- (III) उक्त पी०एल०ए० खाते में रखी गयी धनराशि का व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग में प्रस्तुतिकरण कर यथाप्रकिया अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- (IV) उक्त धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त-पुस्तिका, बजट मैनुअल एवं समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (V) स्वीकृत धनराशि पर व्यय से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 में निहित प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (VI) उपरोक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक प्रत्येक दशा में निर्धारित प्रारूप पर सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर से शासन एवं महालेखाकार को उपलब्ध करायी जायेगी।
- (VII) उक्त स्वीकृति वित्तीय मात्र है, निधि के अन्तर्गत व्यय किये जाने से पूर्व कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति सक्षम अधिकारी से अवश्य प्राप्त की जायेगी।
- (VIII) किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि से अनाधिक व्यय कदापि न किया जाय।

अज्ञात - - -

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अंतर्गत आयोजनागत लेखाशीर्षक-2045-वस्तुओं एवं सेवाओं पर अन्य कर तथा शुल्क-103-संग्रहण प्रभार-विद्युत शुल्क-03-विद्युत सुरक्षा निदेशालय-04 ऊर्जा संरक्षण निधि हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे में डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1156/XXVII(2)/2017, दिनांक 07 मार्च, 2017 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

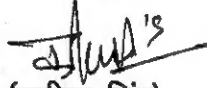
(डॉ० उमाकान्त पंवार)  
प्रमुख सचिव

संख्या: 75 /1/2017-01(3)/20/2006, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त परियोजना अधिकारी, उरेडा।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निदेशक, विद्युत सुरक्षा विभाग, हल्द्वानी।
- 7- सहायक विद्युत निरीक्षक, विद्युत सुरक्षा विभाग, देहरादून।
- ✓ 8- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(कवीन्द्र सिंह)  
संयुक्त सचिव